कब्जा | मरीजों की सेहत पर कमीशन का खेल

सरकारी अस्पताल में 'दवा माफिया' का कब्जा

नवभारत/ नरसिंहपुर/ गाडरवारा। का शासकीय सिविल अस्पताल बना दवा कंपनियों का अड्डा नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा स्थित सरकारी अस्पताल में इन दिनों जो चल रहा है, वो सीधे-सीधे स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। नियमों को ताक पर रखकर निजी दवा कंपनियों के एमआर (मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव) खुलेआम अस्पताल में घूमते नजर आ रहे हैं। डॉक्टरों से सीधा संपर्क, दवाइयों का प्रचार और प्रभावित करने की कोशिशें— सब कुछ बेधड़क

कमीशन का खेल या मरीजों के साथ धोखा

विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि कुछ डॉक्टरों और दवा कंपनियों के बीच कथित सांठगांठ चल रही है महंगी दवाइयां लिखने के बदले गिफ्ट, कमीशन और अन्य फायदे दिए जा रहे हैं ऐसी दवाइयां लिखी जा रही हैं जो सामान्य मेडिकल स्टोर्स पर नहीं मिलतीं, बल्कि चुनिंदा दुकानों पर ही उपलब्ध हैं।

मरीज बन रहे शिकार

गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों को मजबूरी में महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं सस्ती और विकल्प वाली दवाइयों को नजरअंदाज किया जा रहा है संभावित डिस्काउंट भी मरीजों तक नहीं पहुंच रहा।

जनता की मांग

पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो दोषी डॉक्टरों और संबंधित कंपनियों पर कड़ी कार्रवाई हो अस्पताल परिसर में एमआर की एंट्री पर सख्त रोक लगे अगर यही हाल रहा, तो सेवा का यह केंद्र पूरी तरह सौदेबाजी का अड्डा बन जाएगा।

बड़ा सवाल जब सरकारी अस्पताल, जो गरीबों के इलाज का सहारा है, वहीं अगर कमीशन और प्रलोभन का खेल चलेगा— तो आम आदमी आखिर भरोसा किस पर करे

अस्पताल में पहुंच रहे उल्टी-दस्त, पेट दर्द के मरीज

तेंदूखेड़ा इन दिनों शादी विवाहों का दौर व्यापक स्तर पर जारी है।लोग शादी विवाह समारोहों में शामिल हो रहे हैं।देर रात्रि तक जागरण और मसालेदार भोजन सेहत पर बुरा प्रभाव छोड़ रहा है।जिसका असर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में देखने को मिल रहा है। उल्टी-दस्त पेट दर्द के मरीज बड़ी संख्या में इलाज कराने के लिए पहुंच रहें हैं। हमारे प्रतिनिधि को प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा दामोदर ने बताया कि लोगों संतुलित आहार कम तला हुआ तेल से तली सामग्री कम लेना चाहिए और अच्छी नींद लेना चाहिए।धूप में निकलने से पूर्व खाली पेट बिल्कुल ना निकलें।आरो या छना हुआ उबला पानी का सेवन करें।वासा भोजन या खुले बर्फ गोले ठंडे पेय पदार्थो से भी परहेज करें।

शासकीय हाईस्कूल की लगातार हो रही उपेक्षा

नवभारत/ तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा के शासकीय बालक उच्चतर विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन का उपेक्षित नजरिए के चलते गंभीर स्थिति बनीं हुई है। लगभग 70 साल पुराने हो चुके इस विद्यालय की जर्जर हालत हो जाने के बाबजूद भी शासन प्रशासन केवल कागजी घोड़े दोडाने में ही लगा हुआ है। स्थिति यह बनीं हुई है कि विद्यालय परिसर के मलगे जहां तहां से टूट कर आखिरी सांसें गिन रहें हैं।कब धराशाई हो जायें और अनहोनी घटित हो जाये जिसे लेकर संशय पूर्ण स्तिथि बनीं हुई है।इस विद्यालय में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक लगभग 481 छात्र अध्ययन किया करते हैं। और यहां पर छात्रों के जिस अनुपात से नियमित शिक्षकों की व्यवस्था होनी चाहिए वह नहीं है अतिथी शिक्षकों के माध्यम से काम चल रहा है।हाल ही में जर्जर भवन के ऊपर वजन के चलते पुराने खपडे उतारकर उसके ऊपर 4.80 लाख रुपए खर्च करके ऊपर टीन लगवाये गये हैं जो विगत दिवस आई तेज हवाओं में उखड़ गए थे।आनन फानन तरीके से फिर से लगाये जा रहे हैं लेकिन उक्त टीन कब तक चलेंगे और जो राशि खर्च की गई है आनुपातिक दृष्टि से बहुत ज्यादा खर्च किया गया है फिर भी छात्रों को बरसात के दिनों में भवन में सुरक्षित बैठने की कोई गारंटी भी नहीं लग रही है।

लाखों रुपए खर्च करके बना है लैब

सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्थिति तो यहां पर यह देखने को मिल रही है कि इस परिसर में छात्रों को बैठने के लिए पर्याप्त सर्वसुविधायुक्त भवन की जरूरत है लेकिन लगभग 95 लाख रुपए की राशि से यहां पर लैव बनाया गया है जिसमें 07 कक्ष बनाए गए हैं। इनमें चार अतिरिक्त कक्ष और तीन लैव रुम बनाये गये हैं।कक्षा नवमी से बारहवीं तक के छात्रों को बैठने के लिए चार कक्ष छात्रों की संख्या के मान से बहुत कम है। क्षेत्रीय और स्थानीय लोगों का कहना है कि इस विद्यालय से शिक्षा ग्रहण करके ही छात्र काफी आगे बढ़े हुये है और इस विद्यालय की यह दुर्दशा हमेशा खलती है। शीघ्र ही विद्यालय का नया भवन निर्माण हेतु अधोसंरचना तैयार होनी चाहिए।

नेशनल लोक अदालत 9 मई को

नवभारत/ तेंदूखेड़ा लोगों के लंबित प्रकरणों को शीघ्र सुलभता से न्याय मिले को लेकर माननीय न्यायालय द्वारा नेशनल लोक अदालतों का आयोजन कर विभिन्न प्रकार के मामलों का लोक अदालतों के माध्यम से निराकरण किया जाता है।इसी सिलसिले में आगामी 09 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।जिसकी तैयारियों और प्रचार प्रसार की दृष्टि से विधिक सेवा समिति के माध्यम से पत्रकारों को न्यायिक मजिस्ट्रेट माननीय शिवकांत कुशवाहा सिविल न्यायालय तेंदूखेड़ा के द्वारा जानकारी दी गई। पीड़ित वर्ग को त्वरित न्याय मिले इस दिशा में प्रचार प्रसार जरुरी है।

प्रशिक्षण शिविर से तराशी जा रहीं भविष्य की प्रतिभाएं

नवभारत/गोटेगांव। जहां एक ओर गर्मी की तपिश लोगों को घरों में सीमित कर देती है, वहीं विकासखंड गोटेगांव में युवाओं का जोश इस तपिश को मात देता नजर आ रहा है। 5 मई से 5 जून तक आयोजित एक माह का ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर इन दिनों पूरे क्षेत्र में आकर्षण और चर्चा का केंद्र बना हुआ है। शिविर का शुभारंभ बीएसी शिक्षा विभाग के उमाशंकर छिरा द्वारा किया गया, जिसने युवाओं के मन में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और विश्वास का संचार किया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग* के मार्गदर्शन में संचालित इस शिविर में क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी अंचलों से बड़ी संख्या में बालक एवं बालिकाएं भाग ले रहे हैं। यहां वॉलीबॉल और कबड्डी जैसे खेलों के माध्यम से न केवल खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता को विकसित किया जा रहा है, बल्कि उनके अंदर अनुशासन, समर्पण और टीम भावना जैसे गुण भी विकसित किए जा रहे हैं। मैदान में रोजाना गूंजती खिलाड़ियों की आवाजें यह संकेत देती हैं कि गोटेगांव अब खेलों के क्षेत्र में नई पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। शिविर में प्रशिक्षण दे रहे कोच श्री नीरज पटेल (वॉलीबॉल) और कोच श्री इन्द्रकुमार ठाकुर (कबड्डी) खिलाड़ियों को खेल की बारीकियों से रूबरू करा रहे हैं। उनकी कड़ी मेहनत और अनुभव का असर खिलाड़ियों के प्रदर्शन में साफ झलक रहा है। खिलाड़ी न केवल तकनीकी रूप से मजबूत हो रहे हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी अधिक सशक्त बन रहे हैं, जिससे वे भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार हो सकें। इसी दौरान शिविर में भाग ले रही उभरती कबड्डी खिलाड़ी आर्या नायक ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि, इस शिविर में हमें खेल की नई-नई तकनीकें सीखने को मिल रही हैं। कोच द्वारा दी जा रही ट्रेनिंग से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है और अब हमें लगता है कि हम भी बड़े स्तर पर खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इससे उन्हें सही दिशा और अवसर मिलता है। इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य क्षेत्र में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें एक उचित मंच प्रदान करना है।

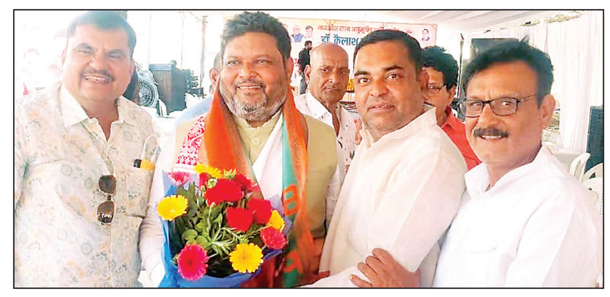

डॉ . कैलाश जाटव के पदभार ग्रहण समारोह में पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

नवभारत/ नरसिंहपुर/ गोटेगांव। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के नव नियुक्त अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव के पदभार ग्रहण समारोह में नरसिंहपुर जिले से जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर शुभकामनाएं दीं। राजीव गांधी परिसर, श्यामला हिल्स भोपाल में आयोजित पदभार ग्रहण समारोह के दौरान जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ डॉ. कैलाश जाटव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर धनंजय पटेल ने कहा कि डॉ. कैलाश जाटव के नेतृत्व में आयोग समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के हित में प्रभावी कार्य करेगा।

एक नजर में

लगातार हादसों पर प्रशासन सख्त : NTPC को सड़क सुरक्षा के निर्देश

नवभारत/ गाडरवारा। क्षेत्र में लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन अब एक्शन मोड में आ गया है। हाल ही में सामने आई घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे, जिसके बाद संबंधित विभागों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। एसडीम कलावती ब्यारे ने हङ्गक्ष्ट प्रबंधन को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि सड़क सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण, चेतावनी संकेतक, स्पीड ब्रेकर और उचित लाइटिंग व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं दूसरी ओर, सड़क किनारे बढ़ते अतिक्रमण को भी दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण मानते हुए प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। पेट्रोल पंपों, बाजार क्षेत्रों और मुख्य मार्गों के आसपास अवैध कब्जों को हटाने के लिए टीमों को तैनात किया गया है। एसडीम ब्यारे ने यह भी स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी और यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

संगठन की मजबूती पर जोर, ग्रामीण मंडलों में भाजपा की मासिक बैठक संपन्न

नवभारत/गोटेगांव। समीपवर्ती ग्राम बगासपुर में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा गोटेगांव के श्रीनगर मंडल के अंतर्गत मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में कुम्हड़ाखेड़ा और करकबेल मंडल में भी बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक और क्षेत्रीय विधायक महेंद्र नागेश मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। इस अवसर पर संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद एवं क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से सार्थक चर्चा की गई। बैठक के दौरान विधायक महेंद्र नागेश ने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह एवं समर्पण अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने विश्वास जताया कि यही समर्पण संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस कार्यक्रम के दौरान सांसद प्रतिनिधि पंकज चौकसे, सरपंच सुधीर पटेल सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक ने मृतकों के परिवार में पहुंचकर संवेदनाएं व्यक्त की

नवभारत/ गोटेगांव। विगत दिवस महाकौशल शुगर मिल बचई में एथेनॉल के टैंकर गिरने से हो श्रमिकों को की मौत मौत हो गई थीद्व उक्त घटना की जानकारी लगते ही पीड़ितों के परिजनों से मिलने के लिए कांग्रेस के पूर्व विधायक शेखर चौधरी पीड़ितों के परिवार से मिलने के लिए पहुंचे साथ ही साथ अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए शेखर चौधरी ने कहा कि मेरे द्वारा जो संभव प्रयास और मदद हो सकेगी वह किया जाएगी एवं उन्होंने हर वक्त परिवार के साथ खड़ा रहने की बात की और सरकार से मांग की है कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए और उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो सावधानी बरतनी चाहिए और कहा कि इस घटना की संपूर्ण जांच भी होना चाहिए कि एथेनॉल का टैंकर मजदूरों पर कैसे गिरा और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके इसके लिए।

मन की एकाग्रता ही सीखने का आधार

नवभारत/ तेंदूखेड़ा। विगत दिवस विद्या भारती द्वारा आचार्य सामान्य प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता अखिल भारतीय विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवनीश भटनागर ने दीप प्रज्वलित कर सत्र का उद्घाटन किया। अपने उद्बोधन में श्री भटनागर ने कहा कि सीखने का क्रम अनुकरण और जिज्ञासा से शुरू होता है। शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि जीवन मूल्यों और संस्कारों का ज्ञान कराना भी इसका अनिवार्य अंग है। उन्होंने आचार्यों से आह्वान किया कि वे कक्षा में ऐसा वातावरण निर्मित करें जिससे देश के लिए एक श्रेष्ठ और नैतिक पीढ़ी तैयार हो सके। इस अवसर पर सामाजिक सरोकार का अनूठा उदाहरण पेश करने वाले ग्राम टेकपार पुरगुबा निवासी राजेश कौरव का सम्मान किया गया। श्री कौरव ने माधव ग्राम भारती को बच्चों की शिक्षा हेतु 1 एकड़ 10 डिसमिल जमीन और उस पर बना मकान भी दान में दिया। विद्या भारती परिवार ने उनकी इस उदारता की सराहना की। कार्यक्रम में प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ. आदित्य मिश्रा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा, रसूख के दम पर ग्रामीणों को प्रताड़ना

नवभारत/गोटेगांव। तहसील के ग्राम मगरधा-शेड (टपरिया) में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे और रसूख के दम पर ग्रामीणों को प्रताड़ित करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित रामकुमार चौधरी ने कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। शिकायत के अनुसार, ग्राम मगरधा शेड स्थित शासकीय नाले की भूमि पर गांव के ही कुछ व्यक्तियों ने अवैध रूप से कब्जा कर गन्ना बो दिया है, जिससे पिछले 50 वर्षों से ग्रामीणों के आवागमन का रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अनावेदक पक्ष के सदस्य पुलिस विभाग और होमगार्ड में कार्यरत हैं, जिनमें गढ़ा जबलपुर थाने में पदस्थ सब-इंस्पेक्टर, आरक्षक और नरसिंहपुर में पदस्थ नगर सैनिक शामिल हैं। ये कर्मी अपनी वर्दी और पद का डर दिखाकर राजस्व विभाग के पूर्व बेदखली आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं। पीड़ित ने बताया कि 29 अप्रैल 2026 को उनकी पुत्री के विवाह के समय बारात के रास्ते में जानबूझकर पानी भरकर कीचड़ कर दिया गया। विवाद होने पर जब ठेमी थाना पुलिस को सूचना दी गई, तो आरोप है कि प्रभाव के चलते पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट नहीं लिखी और उन्हें थाने से भगा दिया गया। आवेदन के मुताबिक, आरोपियों ने पीड़ित परिवार के साथ मारपीट और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। साथ ही, पुलिस में अपनी पैठ का हवाला देते हुए पूरे परिवार को झूठे केस में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित ने जिला प्रशासन से शासकीय नाले से अवैध कब्जा हटाने और पद का दुरुपयोग करने वाले संबंधित कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की

विकसित भारत का अर्थ हर व्यक्ति को क्षमताओं के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर मिले

नवभारत/गोटेगांव। स्थानीय सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पंचम दिवस के संवाद सत्र में माननीय अखिलेश मिश्रा संगठन मंत्री ने कहा कि जब हम विकसित भारत की बात करते हैं, तो हमारे मन में एक ऐसे देश की तस्वीर उभरती है जहाँ आधुनिक तकनीक हो, सशक्त अर्थव्यवस्था हो, साफ-सुथरे शहर हों और हर नागरिक खुशहाल जीवन जी रहा हो। लेकिन विकसित भारत का अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक और गहरा है। इसका अर्थ है ऐसा भारत जहाँ गरीबी न हो, बेरोजगारी न हो, भेदभाव न हो और हर व्यक्ति को अपनी क्षमताओं के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर मिले। आज भारत विश्व के सबसे तेज़ी से बढ़ते देशों में से एक है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में हमने बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलें हमें आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रही हैं। हमारे वैज्ञानिक अंतरिक्ष में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, हमारे युवा नवाचार की नई कहानियाँ लिख रहे हैं। लेकिन यह भी सच है कि अभी हमें बहुत लंबा रास्ता तय करना है। आज भी देश के कई हिस्सों में शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं। बेरोजगारी और पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएँ हमारे सामने चुनौती बनकर खड़ी हैं। इन चुनौतियों को पार किए बिना हम विकसित भारत का सपना साकार नहीं कर सकते। विकसित भारत के निर्माण के लिए हमें पाँच प्रमुख स्तंभों पर ध्यान देना होगा पहला शिक्षा- शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सोचने-समझने की शक्ति है। यदि हमारी शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी, तो हमारा देश स्वत: ही प्रगति करेगा। दूसरा स्वास्थ्य- स्वस्थ नागरिक ही एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं। हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जहाँ हर व्यक्ति को सस्ती और अच्छी चिकित्सा सुविधा मिले। तीसरा आर्थिक सशक्तिकरण- हर व्यक्ति को रोजगार के अवसर मिलें, छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिले और ग्रामीण क्षेत्रों का भी समान विकास हो—यह जरूरी है।

चौथा पर्यावरण संरक्षण

विकास तभी सार्थक है जब वह प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखे। हमें स्वच्छ और हरित भारत का निर्माण करना होगा।
पाँचवाँ नैतिकता और नागरिक जिम्मेदारी- सिर्फ कानून बनाने से देश विकसित नहीं होता, बल्कि नागरिकों के चरित्र और जिम्मेदारी से होता है। हमें ईमानदार, जागरूक और कर्तव्यनिष्ठ बनना होगा। यह भी याद रखना होगा कि विकसित भारत का सपना केवल सरकार की योजनाओं से पूरा नहीं होगा। इसमें हम सबकी भागीदारी आवश्यक है। एक विद्यार्थी के रूप में हमारा कर्तव्य है कि हम ज्ञान अर्जित करें, अनुशासन का पालन करें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें। हमें छोटे-छोटे कदमों से शुरुआत करनी होगी—जैसे स्वच्छता बनाए रखना, समय का सदुपयोग करना, दूसरों की मदद करना और देश के प्रति सम्मान रखना।

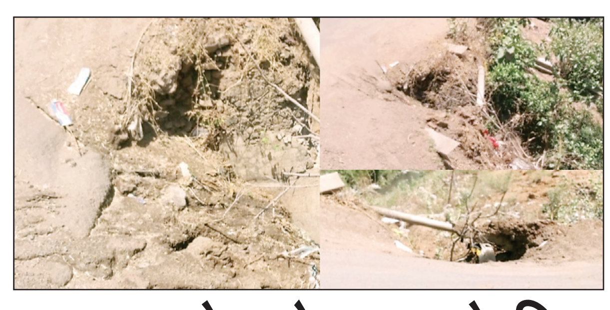

अफसर-नेता रोज गुजरते, फिर भी 'मौत का गड्ढा' जस का तस

नवभारत/गाडरवारा। महाकाल चौराहा से आगे लडैया नाले की पुलिया पर बने खतरनाक गड्ढे अब सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि सिस्टम की नाकामी का खुला सबूत बन चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि इसी मुख्य स्टेट हाईवे से समस्त प्रशासनिक अधिकारी और नेता भी रोजाना निकलते हैं, लेकिन इसके बावजूद किसी की नजर इस मौत के जाल पर नहीं पड़ रही — या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है। पुलिया के दोनों ओर गहरे गड्ढे महाकाल चौराहा से आमगांव नाका तक सड़क किनारों पर कटाव हर दिन सैकड़ों वाहन चालकों की जान जोखिम में यह मार्ग जबलपुर, भोपाल और होशंगाबाद जैसे बड़े शहरों को जोड़ता है, फिर भी हालात बद से बदतर हैं।

सवाल सीधा है: जब आम जनता खतरे में है और अधिकारीङ्कनेता खुद इसी रास्ते से गुजरते हैं, तो आखिर कार्यवाही क्यों नहीं क्या किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार किया जा रहा है?

जनता की मांग: तत्काल गड्ढों की मरम्मत सड़क किनारों का मजबूतीकरण जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही।